अमृत विचार

बरेली महानगर

www.amritvichar.com

बरेली , शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

सुविचार

श्रेष्ठतम मार्ग खोजने की प्रतीक्षा के बजाय, हम गलत रास्ते से बचते रहें और बेहतर रास्ते को अपनाते रहें।

- पं. जवाहर लाल नेहरू

बरेली के प्रमुख समाचार

- आधा दर्जन भाजपा नेताओं समेत 40 के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी-II
- अफसर बेईमानी नहीं करते तो भाजपा लोकसभा चुनाव नहीं जीतती -III
- धोपेश्वर नाथ मंदिर में लाइब्रेरी भवन का शुरू हुआ निर्माण -IV

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : आनंदीबेन पटेल ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को अच्छे कार्य के लिए पुरस्कृत किया और प्राथमिक स्कूलों के लिए पुस्तकों का विमोचन किया। उन्होंने वंदे मातरम् के एक सौ पचास वर्ष पूर्ण होने पर शैक्षणिक संस्थाओं में इसके गायन के लिए प्रोत्साहित किया है। प्राथमिक स्कूल पंडित दीनानाथ मिश्र की छात्राओं ने पर्यावरण नृत्य प्रस्तुत किया, इस पर राज्यपाल ने उन्हें पुरस्कार दिए।

आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों के बाल बनाएं

बरेली, अमृत विचार : राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जो किट दी गई है, उसका इस्तेमाल जरूर करें। इसमें कंघा, नेल कटर, आईना भी है। अगर बच्चा बिना बाल बनाकर आए तो उसके बाल बनाकर आईना दिखाएं और कहें कि कैसे दिख रहे हो बच्चे। अगर उसे खेलते समय चोट लगे तो तुरंत इलाज दें। अगर नाखून बड़े हैं तो उन्हें काटें।

दीक्षांत समारोह में सम्मानित हुए मेधावी, साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, प्रो. राजीव आहूजा, कुलपति प्रो .केपी सिंह व अन्य। (संबंधित खबरें पेज IV पर भी देखें।) ● अमृत विचार

स्वर्ण जयंती द्वार और स्टेडियम का किया उद्घाटन

बरेली, अमृत विचार: दीक्षांत समारोह से पहले राज्यपाल ने एमबीए में एसबी सभागार का उद्घाटन किया। बालिका गृह में आवासित 9 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बालिकाओं के लिए निशुल्क एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम हुआ। दीक्षांत कार्यक्रम में राज्यपाल ने स्वर्ण जयंती द्वार, योग वाटिका, बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स स्टेडियम आदि का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह उपस्थित रहे। समारोह में कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, फरीदपुर विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, डीएम अविनाश सिंह, बदायूं डीएम अवनीश कुमार राय, सीडीओ देवयानी आदि मौजूद रहे।

स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र पाकर खिले टॉपर्स के चेहरे

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 94 टॉपर्स को पदक दिए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय का 23वां दीक्षांत समारोह उल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 94 टॉपर्स को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र और 111 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान कीं। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भी दिया। इसके अलावा इतु उपाध्याय को हस्तशिल्प में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को सुबह 11:23 मिनट पर शोभायात्रा निकलने के बाद समारोह की शुरुआत हुई। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दीक्षांत उद्बोधन में कहा कि वर्ष 2024-25 में रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय को नैक ए डबल प्लस के साथ यूजीसी की श्रेणी-1 का दर्जा प्राप्त है। पीएम उषा परियोजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये और एएनआरएफ-पेयर (अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन-पार्टनशिप फॉर एक्सिलिरैटेड इनोवेशन एंड रिसर्च) परियोजना के अंतर्गत 10 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल को अपनाया है। उन्होंने कहा कि आनंदीबेन पटेल के कुलाधिपति बनने से पहले राज्य का कोई भी विश्वविद्यालय नैक में अच्छी रैंक पर नहीं था। अब 8 ए डबल प्लस, 3 ए प्लस, 2 ए ग्रेड हैं। इसके अलावा एनआईआरएफ व अन्य रैंकिंग में भी स्थान पाया है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 205 पेटेंट फाइल हुए हैं। विश्वविद्यालय ने 17 देशों से एमओयू हुए हैं। यूपी के आवासीय विश्वविद्यालयों में सबसे पहले रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने ब्लॉक चेन सिस्टम से विद्यार्थियों की डिग्री, मार्कशीट एवं शैक्षणिक दस्तावेजों को अपलोड किया है। आज 1,15,596 छात्र-छात्राएं, जिनमें 70782 छात्राएं और 44,814 छात्राएं का रिकार्ड ब्लॉक चेन में अपलोड किया गया। सत्र 2024-25 के लिए 44 विषयों में 110 पीएचडी पूर्ण कराए गए हैं। अब तक 1748 पीएचडी थीसिस शोध गंगा वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने इस वर्ष राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 26 स्वर्ण, 20 रजत और 11 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं।

विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, साथ में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, आईआईटी रोपण के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा, कुलपति केपी सिंह। ● अमृत विचार

● रितु उपाध्याय को हस्तशिल्प में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

विकसित देश के बारे में छात्रों को सोचना चाहिए : प्रो. राजीव आहूजा

समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी रोपण, पंजाब के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा कि आईआईटी में दीक्षांत एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। यह बहुत जरूरी है। यहां से विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी अच्छा इसलिए करते हैं, क्योंकि उनके पूर्व छात्र शामिल होते हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों को भी अपने साथ विश्वविद्यालय के बारे में सोचना चाहिए कि यह कैसे आगे बढ़े और देश कैसे आगे बढ़े, तभी विकसित भारत बन सकेगा। आप 2047 में कैसा देश देखना चाहते हैं, इसका श्रेय आपको ही लेना होगा। यूजीसी कैटेगरी 1 में आईआईटी रोपण और रुहेलखंड विश्वविद्यालय दोनों शामिल हैं। कुल 10 करोड़ की ग्रांट मिल रही है। इसका उपयोग अच्छी प्रयोगशालाएं, लाइब्रेरी एवं संसाधनों को जुटाने में किया जाए जिससे अच्छे शोधार्थी और सुविधाएं उत्पन्न हो। कभी अपने माता-पिता और गुरुओं को नहीं भूलना चाहिए। छात्रों को सिर्फ सरस्वती की पूजा करनी चाहिए, लक्ष्मी अपने आप मिल जाएगी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र आ रहे हैं, यह अच्छी बात है।

बेटियां 70 फीसदी पदक ले रहीं, यही बदलता भारत : रजनी तिवारी

अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ऐसे समय में डिग्री ले रहे हैं, जब देश अमृत काल मना रहा है। आप भविष्य में देश के लिए कुछ करें। बेटियां 70 फीसदी पदक ले रही हैं, यही बदलता भारत है। उन्होंने महिला क्रिकेट विश्वकप जीतने का जिक्र करते हुए बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने संतोष गंगवार को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार को सम्मानित करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● संतोष गंगवार ने विश्वविद्यालय के निर्माण के दौरान अपने योगदान और जेल जाने का भी जिक्र किया

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार देकर सम्मानित किया और बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए चयन सराहनीय है।

वह विश्वविद्यालय के निर्माण से लेकर उसके ए डबल प्लस रैंक तक पहुंचने के साक्षी हैं। इस दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि शिक्षा में शायद सबसे पिछड़ा झारखंड है। वह झारखंड में शिक्षा के बारे में यूपी की राज्यपाल और रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति का जिक्र कर उपलब्धियां बताते हैं। वहां कैसे सुधार हो, इसका प्रयास कर रहे हैं।

झारखंड के राज्यपाल ने कहा कि यह डिग्री प्राप्त का दिवस नहीं बल्कि परिश्रम, धैर्य और अनुशासन का दिवस है। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण के दौरान अपने योगदान और जेल जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह बरेली को कभी भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलने पर खुशी जताई और एक लाख की धनराशि के साथ अपनी तरफ से धनराशि शामिल कर गरीब बच्चों में दान करने को कहा।

वो कौन सी शिक्षा है जो डॉक्टरों को आतंकवादी बना रही

दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने उपाधि और पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने माता-पिता और गुरुओं को कभी न भूलें। उनके श्रम और परिश्रम के बिना ये संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि दीक्षांत का मतलब शिक्षांत नहीं, बल्कि दीक्षांत एक नए जीवन की शुरुआत है। आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर शिखर पर पहुंचना चाहेंगे, ये उसकी नींव है। शिक्षा से जो संस्कार मिलते हैं, उनसे ही व्यक्ति का निर्माण होता है और उसी से समाज का निर्माण आपको करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद संस्कारयुक्त शिक्षा की बात करते थे। कोरोना काल में डॉक्टरों ने जो किया वह एक उदाहरण है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई। मगर वो कौन सी शिक्षा है जो डॉक्टरों को आतंकी बनाती है। शिक्षा मानवता की रक्षा के लिए होती है, दानव बनाने के लिए नहीं होती। वो कौन सी शिक्षा है जो बच्चों के हाथ में कलम नहीं देती बल्कि पत्थर देती है। वो कौन सी शिक्षा है जो बच्चों के हाथ में कंप्यूटर नहीं बम देती है। हमें इससे कैसे निजात मिले इसका संकल्प लेना होगा। शिक्षा वो है जो ज्ञान-विज्ञान सिखाए, शिक्षा वो है जो स्वावलंबी बनाए। मगर आज जो शिक्षा कुछ लोगों को मिल रही है उन्होंने अपने लिए ज्ञान विज्ञान के दरवाजे बंद कर लिए हैं। केवल एक पुस्तक से शिक्षा नहीं मिलती। सरदार वल्लभ भाई पटेल से हमें शिक्षा मिलती है कि राष्ट्र की एकता के लिए हमें समर्पित रहना चाहिए। बिरसा मुंडा के आदर्शों से हमें शिक्षा मिलती है। वंदेमातरम केवल गीत नहीं बल्कि एक उद्घोष था जो मानव जाति को चेतना देता था। हमें ऐसे संस्कार चाहिए जो हमें हमारे देश के प्रति समर्पित करें। राज्यपाल इस बात का उदाहरण हैं, वह चाहतीं तो राज्यपाल बनकर आराम कर सकती थीं। मगर उन्होंने यूपी में शिक्षा का स्तर ऊंचा करने पर फोकस किया। इससे पहले हम कहीं स्थान नहीं रखते थे, आज देश भर के सर्वाधिक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में हैं।

नहीं होगा बैक पेपर, अब परीक्षा में सौ फीसदी उपस्थिति जरूरी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह में बैक परीक्षा पर पैसों की बर्बादी पर सख्ती से कहा कि परीक्षा में सौ फीसदी उपस्थित होनी चाहिए। बैक पेपर न कराएं। इसमें पैसे और समय दोनों बर्बाद होते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को समझाएं। परीक्षा न देने वाले छात्र अपने माता-पिता का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कुलपति से पूछा कि परीक्षा कब से हो रही हैं, लेकिन कुलपति महामहिम का सवाल सुन नहीं सके। इस पर राज्यपाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि क्या सो रहे हो। इस पर कुलपति बोले कि परीक्षा 5 दिसंबर से हो रही है। उन्होंने कहा कि बेटियां आगे बढ़ रही हैं। वे अंतरिक्ष तक जाएं। उन्होंने कहा कि अब भारत तकनीक का निर्माता बन रहा है। आने वाले दिनों में भारत ग्लोबल समिट की मेजबानी करेगा। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय भारत को विकसित देश बनाने में अपना प्रयास करें।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में उपाधि मिलने पर खुशी मनाते शोधार्थी। ● अमृत विचार

आगनबाड़ी कार्यकत्री को किट देतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, साथ में डीएम व अन्य।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली छात्राओं के साथ कुलाधिपति।

आयोजन

टॉपर्स में छात्राओं की संख्या अधिक होने पर राज्यपाल ने खुशी के साथ जताई चिंता

छात्राएं आगे बढ़ रहीं लेकिन छात्र पीछे, इसमें हो संतुलन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्र-छात्राएं शिक्षा और अनुसंधान में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। 94 टॉपर्स में 70 छात्राएं और 34 छात्र हैं। छात्रों से ज्यादा छात्राएं टॉपर्स हैं। इस साल अब तक वह 36 दीक्षांत समारोह में गई हैं, सभी में यही स्थिति रही। छात्र पीछे हैं, ऐसे में संतुलन जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सीखना केवल शिक्षा तक नहीं है, बल्कि इसे आगे तक ले जाना है। सपने वे नहीं जो नींद में आते हैं, बल्कि वो हैं जो नींद आने ही नहीं देते हैं। बड़ा सोचिए और अपने कर्म को अपना धर्म बनाइए। सभी छात्र आगे बढ़ें और देश को आगे बढ़ाएं। विश्वविद्यालय को अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करें।

उन्होंने कहा कि हम छोटी-छोटी बातों पर लड़ते हैं, दहेज के लिए मारामारी करते हैं। एक दूसरे का खून करते हैं। ऐसे में शिक्षा का कोई अर्थ नहीं। कोई भी ताकत हमारे सामने न खड़ी हो। उन्होंने कहा कि आनंद मठ पुस्तक पढ़नी चाहिए कि किस तरह आजादी की जंग में क्या-क्या सहा है। उन्होंने कहा कि अपना काम सभी को खुद करना चाहिए। विश्वविद्यालय की सफाई क्या हम खुद नहीं कर सकते हैं, बाहरी बुलाने की क्या जरूरत है। बिना परिश्रम कुछ नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले के कुलपति आते ही नहीं थे, अब आते हैं और अवार्ड मिल रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत विषय पर भाषण देने वाले पूर्व माध्यमिक विद्यालय इटौआ के छात्र निखिलेश और उनके शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि निखिलेश के पिता मिस्त्री हैं। ऐसे में बच्चा कहां जन्मा है, यह न देखें बल्कि उसकी गुणवत्ता देखें।

स्मारिका का विमोचन करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, झारखंड राज्यपाल संतोष गंगवार, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, रजनी तिवारी व अन्य।

विकसित भारत विषय पर भाषण देता इटौआ स्कूल का छात्र निखिलेश।

पहले के प्रधानमंत्री और अधिकारी सिर्फ फाइलें घुमाते रहे

उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है, अगर उस तरह से पूर्व के प्रधानमंत्रियों और अधिकारियों ने काम किया होता तो भारत दुनिया में सबसे आगे होता। पूर्व के प्रधानमंत्रियों ने अपनी शक्ति का इस्तेमाल ही नहीं किया और सिर्फ फाइलें घुमाते रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारी हां और जनप्रतिनिधि न बोलना सीख लें तो सब सही हो जाएगा। सरकार बजट देती है, ऐसे कौन से विभाग हैं जिन्होंने 100 प्रतिशत बजट खर्च किया हो। एक मेडिकल कॉलेज का भवन बन जाता है तो उसके बाद फर्नीचर का टेंडर करते हैं और इसके बाद स्टाफ और डॉक्टर का टेंडर निकालते हैं। यह सब एक साथ कर सकते हैं लेकिन नहीं करते हैं। कोई भी छात्र अधिकारी बने तो अपना नहीं बल्कि जनता का हित देखे। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती पर राष्ट्र को एकीकृत करने के उनके अथक प्रयास की सराहना की।

सिटी ब्रीफ

युवक पर जानलेवा हमला करने के दो आरोपी बरी

विधि संवाददाता, बरेली : आठ साल पहले युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश तबरेज अहमद ने थाना बारादरी दुर्गानगर निवासी हरीश पाल उर्फ घोड़ा, थाना प्रेमनगर राजेन्द्र नगर निवासी सचिन सक्सेना को बरी कर दिया। वादी मोहनलाल कोर्ट में अपने बयान से मुकर गया था। वादी मोहनलाल ने थाना बारादरी में तहरीर देकर बताया था कि श्याम गुप्ता, विष्णु वर्मा से 10 प्रतिशत ब्याज पर डेढ़ लाख रुपये लिया था। 22 दिसंबर 2017 को 10 बजे श्याम व विष्णु उसके घर आए। वह उस समय लेटा हुआ था। दोनों ब्याज की रकम न देने पर गालीगलौज करने लगे। फोन करके साथी हरीश पाल और सचिन सक्सेना को बुला लिया। हरीश पाल ने विष्णु व श्याम के कहने पर तमंचा निकालकर उसके ऊपर फायर झोंक दिया, उसने नीचे झुककर अपनी जान बचायी। पुलिस ने हत्या का प्रयास, अपमानित करने, धमकी देने की ऑर्म्स एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना के बाद आरोप पत्र कोर्ट भेजा था।

आधा दर्जन भाजपा नेताओं समेत 40 के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

सालों पुराने केसों में कोर्ट से जारी हुए वारंट, पिछले साल शासन ने केस वापस लेने के जारी किए थे आदेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार, पूर्व चेयरमैन कृष्ण पाल मौर्य सहित आधा दर्जन भाजपा नेताओं सहित करीब 40 लोगों के विरुद्ध कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुए। इससे कई भाजपा नेताओं ने गिरफ्तारी के डर से घरों में रहना छोड़ दिया है।

इन मुकदमों को वापस लेने के लिए सालभर पहले राज्यपाल की अनुमति के बाद शासन ने आदेश जारी किया और जिला पुलिस प्रशासन को रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए थे। इस बात को साल भर हो गया, लेकिन फतेहगंज पश्चिमी में 1998 में बिजली संकट पर हाईवे जाम करने और 2015 में मंदिर पर गोवंश फेंकने के विरोध में हंगामा करने जैसे आरोपों वाले मुकदमों से भाजपा नेताओं की जान नहीं छूटी। मुकदमा वापस लेने का आदेश कागजों में कैद होकर रह गया।

दरअसल, 15 मार्च, 2024 को उत्तर प्रदेश न्याय अनुभाग के विशेष सचिव मुकेश सिंह ने जिलाधिकारी बरेली को आदेश जारी करते हुए मुकदमा अपराध संख्या 11/2015 एवं 12/2015 में 7 क्रिमिनल अमेंडमेंट एक्ट सहित अन्य धाराओं में दर्ज दोनों मुकदमों में राज्यपाल की अनुमति के बाद धारा 321 के अंतर्गत कार्यवाही कर न्यायालय में पैरवी करते हुए मुकदमा वापस लेने के निर्देश दिए थे। 9 सितंबर 2024 को जिलाधिकारी को मुकदमा अपराध संख्या 176/1998 के संदर्भ में पत्र भेजा था। जिला प्रशासन स्तर से दोनों मुकदमों में पैरवी नहीं की गई। शासन के आदेश के बावजूद मुकदमे वापस नहीं होने का अंजाम भाजपा नेताओं को भुगतना पड़ रहा है। राजेश अग्रवाल, अजय कुदेशिया, अकरम खान, सुधीर पोरवाल, चक्रवीर सिंह चौहान, नन्हें, विजय आदि के विरुद्ध भी गैर जमानती वारंट जारी हुए हैं।

सीएम के संज्ञान में दोबारा प्रकरण लाने की तैयारी शुरू

भाजपा नेता आशीष अग्रवाल प्रदेश में भाजपा सरकार के 2017 में बनने के बाद से भाजपा नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस कराने को पैरवी कर रहे हैं। राज्यपाल झारखंड संतोष गंगवार, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री नंदी गोपाल गुप्ता, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, वन मंत्री डॉक्टर डा. अरुण सक्सेना, विधायक डीसी वर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री व शासन से पत्राचार कराया। मुख्यमंत्री कार्यालय, प्रमुख सचिव न्याय, इलाहाबाद हाईकोर्ट में सरकार के महाधिवक्ता से संबंधित प्रक्रिया की स्वीकृति ली थी। आशीष अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में किए प्रयास विफल नहीं होने देंगे। जनप्रतिनिधियों से वार्ता कर मुख्यमंत्री के संज्ञान में प्रकरण लाने की तैयारी की जा रही है।

क्या कहते हैं पीड़ित भाजपा नेता

मेरा भी वारंट जारी हुआ है। नोटिस की सूचना नहीं मिली। मेरी कुछ समझ में नहीं आ रहा है। चौकी इंचार्ज के पास नोटिस आए हैं। 19 और 20 नवंबर की तारीख है। प्रशासन की गलती से दिक्कत झेल रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक को भी पैरवी करनी चाहिए। जमानत कराने के लिए एप्लीकेशन लगाई है। मेरे घर दोबारा पुलिस आई तो विधायक के कॉलेज में दरी बिछाकर बैठूंगी।
–ममता गंगवार, जिला पंचायत सदस्य

2015 के केस में गैर जमानती वारंट जारी हुआ है, केस वापस लेने के लिए शासन से आदेश आ गया था, केस वापस लेने में कोर्ट की मर्जी है। सरकार का आदेश आ चुका है। पिछली बार पैरवी कराई जो वारंट जारी हो गया। 19 नवंबर को तारीख है। यदि जमानत करानी है तो अंदर जाना पड़ सकता है। करीब 40 लोगों के विरुद्ध वारंट जारी हुए हैं।
–कृष्ण पाल मौर्य, पूर्व चेयरमैन

- फतेहगंज पश्चिमी में 1998 में बिजली संकट पर हाईवे जाम करने में दर्ज हुआ था केस
- मंदिर पर गोवंश फेंकने के विरोध में वर्ष 2015 में हंगामा करने के मामले में भी आरोप
- गिरफ्तारी के डर से कई नेता हुए भूमिगत, कुछ ने जमानत के लिए लगाए प्रार्थना पत्र

आईएमसी नेता ने कोर्ट को गुमराह कर ली जमानत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- भाजपा नेता शारिक अब्बासी और पत्नी ने जताया जान का खतरा जांच शुरू
- बवाल में भी आईएमसी के युवा जिलाध्यक्ष हैं आरोपी, कोर्ट ने तलब की रिपोर्ट

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर 26 सितंबर को शहर में पुलिस पर पथराव और फायरिंग के मामले में आरोपी आईएमसी के युवा जिलाध्यक्ष साजिद सकलैनी ने कोर्ट को गुमराह करते हुए मृत व्यक्ति के नाम पर जमानत ले ली। भाजपा नेता शारिक अब्बासी ने साजिद सकलैनी के खिलाफ उनके और पत्नी के साथ मारपीट कर गर्भपात कराने का आरोप लगते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कोर्ट ने इस नए मामले में गंभीरता दिखाते हुए संज्ञान ले लिया है और कोतवाली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

बारादरी थाना क्षेत्र के पुराना शहर चक महमूद निवासी भाजपा नेता शारिक अब्बासी ने बताया कि उनकी पत्नी फिजा भाजपा से पार्षद का चुनाव लड़ चुकी हैं। इसी रंजिश में आईएमसी नेता साजिद सकलैनी ने उनसे रंजिश मानते हैं। आरोप है कि साजिद ने उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और विरोध करने पर 2023 में साथियों के साथ मिलकर शारिक और उनकी पत्नी को बेरहमी से पीटा। इस हमले के बाद उनकी पत्नी का गर्भपात हो गया। इस मामले में बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसकी चार्जशीट पुलिस ने कोर्ट में दाखिल कर दी थी। आरोप है कि मुकदमे की कार्रवाई के दौरान आरोपी साजिद सकलैनी को जमानत लेनी थी, लेकिन आरोपी पक्ष ने जमानत के लिए जिस व्यक्ति का नाम और दस्तावेज लगाए। वह व्यक्ति पहले ही मर चुका था। जमानती अनीस अहमद का निधन 27 जून 2023 को हो चुका है। उनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी नगर निगम बरेली से जारी हुआ है। इसके बावजूद, 23 अक्टूबर 2025 को अनीस अहमद के नाम से जमानतनामा कोर्ट में दाखिल कर दिया गया और उसी आधार पर जमानत स्वीकार कर ली गई। शारिक अब्बासी ने इस पूरे मामले को लेकर कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। अदालत ने अब मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लिया है और थाना कोतवाली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। शारिक अब्बासी ने कहा इस मामले की शिकायत कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक की गई है, लेकिन अभी तक साजिद सकलैनी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे उन पर और उनके परिवार के लोगों को जान का भी खतरा बना हुआ है।

मृतक के नाम पर फर्जी जमानत लेने वालों पर रिपोर्ट दर्ज कराने को अर्जी

विधि संवाददाता, बरेली : मृतक के नाम पर जमानत लेने, न्यायालय की मुहर और पीठासीन अधिकारी द्वारा स्वीकृत आदेश पर फर्जी हस्ताक्षर कर धोखाधड़ी करने के मामले में रोहली टोला निवासी शारिक अब्बासी ने 4 लोगों नामजद आरोपी, न्यायालय के तत्कालीन लिपिक व कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध सीजेएम कोर्ट में रिपोर्ट दर्ज कराने की याचना करते हुए अर्जी दी है। अदालत ने कोतवाली पुलिस से रिपोर्ट तलब कर सुनवाई को 19 नवंबर की तिथि नियत की है।

नशे में धुत कार चालक ने विधायक के गेट में मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- विरोध करने पर होमगार्ड से की मारपीट, चालक समेत दो पर रिपोर्ट

अमृत विचार : शराब के नशे में कार चालक ने फरीदपुर विधायक के आवास के गेट में जोरदार टक्कर मार दी। होमगार्ड ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। होमगार्ड की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने चालक समेत दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र के गांव गजरातपुर निवासी होमगार्ड राजेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी ड्यूटी फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के यहां शक्ति नगर में लगी है। बुधवार देर शाम वह 7.40 बजे विधायक के आवास के बाहर ड्यूटी कर रहे थे। आरोप है कि इसी बीच कार चालक मनीष और उसके साथ बैठा अंकित तेजी व लापरवाही से वाहन नशे की हालत में दौड़ाते हुए आए और विधायक के गेट पर टक्कर मार दी। वह बाल-बाल बच गए। उन्होंने गाड़ी रोकनी चाही तो मनीष और अंकित ने हाथापाई करते हुए गालीगलौज की। वहां मौजूद रंजीत राजपूत ने चालक को बताया कि यह विधायक का निवास है तो अंकित के उकसाने पर मनीष ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दोबारा आवास के मेन गेट में टक्कर मारकर वहां रखे गमले क्षतिग्रस्त कर दिए। उसके बाद गालीगलौज करते हुए आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

तौकीर रजा की जमानत अर्जी पर सेशन कोर्ट में सुनवाई आज

विधि संवाददाता, बरेली: शहर में बवाल कराने के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की कोतवाली थाने में दर्ज एक मुकदमे में जमानत अर्जी पर शुक्रवार को अपर सत्र न्यायाधीश अमृता शुक्ला की अदालत में सुनवाई होगी।

गुरुवार को केस से संबंधित प्रपत्र कोर्ट में न आ पाने के कारण सुनवाई टल गयी। ज्ञात हो कि 26 सितंबर को शहर में जुमे की नमाज के बाद तौकीर के आह्वान पर एकत्रित भीड़ ने जमकर हंगामा काटा था, पुलिस पर भी जानलेवा हमला किया था। इस मामले में कोतवाली, बारादरी किला समेत कई थानों में 13 मामले दर्ज हुए थे। तौकीर को सभी मामलों में आरोपी बनाया था।

नकली सिगरेट बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

बरेली, अमृत विचार : बारादरी पुलिस ने नकली सिगरेट बनाने वाले फैक्ट्री पर छापेमारी कर भंडाफोड़ किया है। यहां पर काफी समय से नामी ब्रांड गोल्ड फ्लैक के नकली रैपर लगाकर असली के नाम पर बेच रहा था। पुलिस ने मौके से सात कार्टन नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए हैं। इनमें 1033 डिब्बी नकली सिगरेट भरी गई थी। मौके से पुलिस ने आरोपी संचालक हैदराबाद खरऊआ, थाना सीबीगंज निवासी देवमूर्ति साहू को गिरफ्तार भी किया है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र के एकता नगर निवासी सचिन भारद्वाज ने बताया कि वह मौजूदा समय में गगन गुटखा और गोल्ड फ्लैक सिगरेट के बरेली जिले के डीलर हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि एक सर्वे के दौरान पता चला कि गोल्ड फ्लैक सिगरेट और अन्य सिरगेटों को गोल्ड फ्लैक के नकली

नकली सिगरेट के साथ गिरफ्तार आरोपी।

रैपरों में रखकर धोखाधड़ी कर नकली सिगरेटों की डिब्बियों को असली के रूप में बेचा जा रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने माधोबाड़ी में देवमूर्ति साहू के गोदाम पर छापेमारी की। जहां पर गोल्ड फ्लैक के 12 डिब्बे, जिसमें कुल 287 डिब्बी ,गोल्ड फ्लैक का बड़ा पैकेट 9 डिब्बे, कुल 180 डिब्बी है। साथ में गोदान गरम सिगरेट के 11 डिब्बा जिसमें 220 डिब्बी, सिगरेट के 17 पैकेट कुल 204 डिब्बी, रसियन माया ब्रांड की हुक्का फ्लेवर सिगरेट के छह पैकेट कुल 60 डिब्बी समेत अन्य सामान बरामद किया। पुलिस ने आरोपी संचालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी देवमूर्ति ने बताया कि वह गोल्ड फ्लैक जैसी हूबहू पैकिंग वाले नकली रैपर तैयार करता था और उन्हें असली बताकर बाजार में बेचता था। साथ ही बताया कि वह पहले सेल्समैन का काम करता था, जिससे उसका खर्चा पूरा नहीं हो पा रहा था। कम्पनी में जो माल खराब हो जाता था तो कम्पनी उस माल को नष्ट करने के लिए देती थी। उसी को लाकर यहां रैपर लगाकर बाजारों में बेच कर मोटा मुनाफा कमाता था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

- पुलिस ने 1033 डिब्बी नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए
- गगन गुटखा और गोल्ड फ्लैक सिगरेट के डीलर ने की थी पुलिस से शिकायत

ई-रिक्शा पर युवक की जेब काट कर नकदी पार की

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा पर जा रहे एक युवक की जेब काट कर चोरों ने 19 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बहेड़ी थाना क्षेत्र के तलपुरा निवासी मोहम्मद शादाब ने बताया कि बुधवार को वह अपनी बेटी से मिलने एक निजी अस्पताल में जा रहे थे। वहां से वापस आते समय वह एक ई-रिक्शा पर बैठ गए। ई-रिक्शा डोहरा मोड़ से फिनिक्स माल की तरफ जाने के निकला कि डोहरा मोड़ से एक अन्य युवक भी सवार हो गया। जिसने उनकी जेब काट कर 19 हजार रुपये उड़ा दिए।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग

शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग

नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये

डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त | भर्ती एवं पलंग मुफ्त | भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त

भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त | डिलीवरी मुफ्त | भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में

भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त | भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/-में

भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर

रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पेनल्मेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)

1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4. सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हैल्थ स्कीम

इम्पैनल्मेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)

1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.

*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply

हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145

इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में

एन.ए.वी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल *TMC

युवक ने की आत्महत्या

- शराब पीने को लेकर पति-पत्नी में होता था विवाद, ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में शराब पीने को लेकर विवाद के बाद बुधवार रात राजू मौर्य (32) ने देर रात दुपट्टे के सहारे पंखे के कुंडे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने राजू के ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस साले को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

वंशी नगला निवासी भूपराम ने बताया कि उनका इकलौता बेटा राजू परसाखेड़ा की शीतल पेय कंपनी में ड्राइवर था। 11 साल पहले उसकी शादी सीबीगंज के मथुरापुर निवासी हरिराम की बेटी सुनीता से हुई थी। उसे चार साल का पुत्र और 9 साल की बेटी भी है। शादी के बाद शुरुआत में सब ठीक रहा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। भूपराम के मुताबिक रविवार को दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसकी पत्नी सुनीता ने अपने पिता और भाई को बुलाकर राजू के साथ मारपीट की। मौके पर पहुंची यूपी-112 पुलिस ने समझौता करा दिया। आरोप है कि बुधवार रात ससुराल पक्ष फिर घर आया और विवाद के बाद राजू के साथ मारपीट की। इसके बाद राजू ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके मृतक की बहन सलोनी ने बताया कि भाभी अक्सर फोन पर लंबी बातें करती रहती हैं, जिसके चलते भाई अक्सर विरोध करते थे। उधर मायके पक्ष के लोगों का कहना है कि राजू रोजाना शराब के नशे में सुनीता से विवाद कर मारपीट करता था। उसी को लेकर उसे समझाने सभी लोग पहुंचे थे। सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

राजू की फाइल फोटो।

सोशल मीडिया पर लिखा जहर मेटा अलर्ट पर बचाई गई जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पत्नी से विवाद होने के बाद बिजली मिस्त्री ने जहर लिख कर डाला वीडियो
- लखनऊ मुख्यालय से अलर्ट मिलते ही युवक के घर पुलिस ने दी दस्तक परिजनों ने पुलिस का आभार जताया

अमृत विचार : भमोरा थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद बिजली मिस्त्री ने सोशल मीडिया पर जहर लिख कर एक वीडियो डाला। जिस पर लखनऊ मुख्यालय से अलर्ट मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस टीम 12 मिनट के अंदर बिजली मिस्त्री के घर पहुंच गई। पुलिस ने उसे समझाकर ढांढस बंधाया। उसने पुलिस से वादा किया कि वह किसी भी हाल में आत्महत्या नहीं करेगा। परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बुधवार को भमोरा क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय युवक जो कि बिजली मिस्त्री का काम करता है। उसका पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे आहत होकर उसने कीटनाशक दवाई खाते हुए "जहर" लिख कर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। दोपहर 1:0 बजे मेटा कंपनी की तरफ से पुलिस मुख्यालय पुलिस महानिदेशक स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई-मेल के जरिए अलर्ट मिला। जिसकी जानकारी बरेली पुलिस को दी गई। भमोरा थाना पुलिस की एक टीम 12 मिनट के अंदर युवक के घर पहुंची। पुलिस टीम ने परिजनों से त्वरित जानकारी एकत्रित कर युवक के पास पहुंची, वहां पहुंचने पर देखा कि युवक लगातार उल्टियां कर रहा था। अत्यधिक अवसाद में बड़बड़ा रहा था। वह कह रहा था कि तुम अब चैन से रहो, मैं इस दुनिया से जा रहा हूं। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने परिजनों के सहयोग से युवक को फौरन प्राथमिक उपचार कराया। जिससे उसकी जिंदगी बच गई। सामान्य होने पर बातचीत में युवक ने बताया कि आए दिन पत्नी से विवाद होने के कारण वह मानसिक रूप से अत्यधिक तनावग्रस्त रहता है। इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने उसकी काउंसलिंग की।

एमबीबीएस छात्र का अपहर्ता सहपाठी भेजा गया जेल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मेडिकल छात्र को घुमाने के बहाने ले जाकर साथियों संग कर लिया था अगवा
- छात्र के पिता से मांगी थी 50 लाख की फिरौती, फरार साथियों की तलाश जारी

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी स्थित मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र गौरव वरपे का अपहरण किसी और ने नहीं बल्कि उसके सहपाठी रोहिणी दिल्ली निवासी दिविज बहल ने ही बाहरी युवकों के साथ मिलकर किया था। यह अपहरण उसने कर्ज चुकाने के लिए किया था। दरअसल मेडिकल छात्रों में चर्चा थी कि गौरव वरपे के खाते में एक करोड़ से अधिक रुपये हैं, इसीलिए उसने सहपाठी के अपहरण की योजना योजना बनाई।

राजश्री मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र गौरव वरपे निवासी सोनई गांव अहिल्यानगर महाराष्ट्र ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कॉलेज में कुछ साथियों के बीच यह चर्चा फैली कि उसके बैंक खाते में करोड़ों रुपये हैं। उसने कई बार मजाक कहकर बात को टाल दिया, लेकिन रविवार शाम इसी अफवाह ने उसे मुसीबत में डाल दिया। गौरव अपने दो सहपाठियों दिविज बहल और गौरवेंद्र सिंह के साथ स्कूटी से घूमने निकला था। राधाकृष्ण मंदिर के पास ईको कार आकर रुकी और उसमें सवार बदमाशों ने तीनों को जबरन उठा लिया। चलते वाहन में गौरव को घंटों धमकाया गया और उसके मोबाइल फोन से यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिये 60 हजार रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। आरोप है कि बदमाशों में उसका सहपाठी दिविज बहल भी शामिल था। दिविज ने ही गौरव के पिता और उसके दोस्त कपिल को फोन कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी और धमकी दी थी कि पुलिस को सूचना दी तो बेटे की जान ले लेगा। पुलिस ने दिविज को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही है।

आरोपी छात्र।

दिविज ने सोनू से अपहरण के लिए 10 लाख की पेशकश की

मेडिकल छात्र गौरव के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार सहपाठी दिविज बहल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह राजश्री मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस तृतीय वर्ष का छात्र है। उस पर कई लोगों का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए उसने अपने बैच के गौरव वरपे को चुना। छात्रों के बीच चर्चा थी कि गौरव के खाते में लगभग एक करोड़ रुपये मौजूद हैं। आरोपी की दिल्ली से लौटते समय टैक्सी चालक आकाश से मुलाकात हुई। उसने उसे सोनू नामक व्यक्ति से मिलवाया। दिविज ने सोनू को गौरव के बारे में जानकारी दी और किडनैपिंग के लिए 10 लाख रुपये की पेशकश की। 7 नवंबर को सोनू व उसके साथियों ने गौरव को अगवा करने का प्रयास किया, मगर असफल रहे। अगले दिन सोनू व उसके साथी तीन मोटर साइकिल और ईको वैन लेकर आए। सभी ने गौरव बारपे, दिविज बहल और गुरवेन्द्र को जबरन वैन में बैठा लिया। तीनों के मोबाइल छीन लिए गए और पासवर्ड पूछे गए। दिविज ने गौरव के मोबाइल से विभिन्न खातों से लगभग 59 हजार अपने खाते में ट्रांसफर किए और सोनू को सौंप दिए। बाद में अलग-अलग एटीएम व व्यक्तियों से नकद रकम प्राप्त करने के भी प्रयास किए गए। गौरव के खातों में बड़ी राशि न मिलने पर दिविज ने गौरव के दोस्तों से संपर्क कर आठ लाख की फिरौती मांगने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस के सक्रिय होने की जानकारी मिलने पर रात 11 बजे, सोनू और उसके साथी दिविज को झुमका चौराहे के पास छोड़कर फरार हो गए।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

कोहाड़ापीर और डेलापीर में हटेगा अतिक्रमण

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम ने डेलापीर और कोहाड़ापीर में सरकारी भूमि पर बने आवास और दुकानों को खाली कराने के लिए अंतरिम नोटिस चस्पा किए थे, जिसकी समय-सीमा 15 नवंबर को पूरी हो रही है। अगले ही दिन नगर निगम यहां ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने की तैयारी में है। नगर निगम के एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि कोहाड़ापीर में धार्मिक स्थल और सरकारी स्कूल की भूमि पर कब्जा कर आवास बनाए गए हैं। वहीं डेलापीर में तालाब की भूमि पर कब्जा किया गया है। आवास खाली करने को अंतरिम नोटिस जारी किया जा चुका है। जिसकी समय सीमा 15 नवंबर को समाप्त हो रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों में ढिलाई किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं

बरेली, अमृत विचार : डीडीओ दिनेश यादव ने विकास भवन सभागार में गुरुवार को सभी ब्लाकों के खंड विकास अधिकारियों के साथ मासिक बैठक की। उन्होंने ग्राम पंचायतों में विकास कार्य समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कुछ ब्लाकों में निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर बीडीओ पर नाराजगी जाहिर की। डीडीओ ने सभी बीडीओ को प्रमुख योजनाओं की गहन समीक्षा करने के साथ कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने, फैमिली आईडी बनाने की रफ्तार बढ़ाने और आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण को लेकर निर्देश दिए। कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंदगी फैलाने और बिना टिकट यात्रा करने वालों पर कार्रवाई

बरेली, अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के स्टेशनों पर बिना टिकट यात्रा करने वाले और गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। अभियान में बिना टिकट यात्रा करने वालों पर जुर्माना डाला गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के निर्देशन में गुरुवार को मुरादाबाद, बरेली, रामपुर समेत अन्य स्टेशनों बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ किलेबंदी चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें 21 टिकट चेकिंग स्टाफ और 7 रेलवे सुरक्षा बल स्टाफ ने 26 ट्रेनों को चेक किया। इस दौरान 88 बिना टिकट यात्रियों से 47 हजार से अधिक का जुर्माना वसूला गया। वहीं अनियमित रूप से यात्रा करने वाले 282 यात्रियों से भी जुर्माना वसूला गया। स्टेशनों पर गंदगी फैलाने पर तीन यात्रियों से 500 रुपये वसूले गए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि मंडल के अलग-अलग स्टेशनों एवं गाड़ियों में इस प्रकार के अभियान आगे भी चलेंगे।

विजिलेंस टीमों ने शहर और देहात में कई घरों में पकड़ी बिजली चोरी

बरेली, अमृत विचार : विजिलेंस की ग्रामीण और शहर की टीम ने गुरुवार को बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान शहरी क्षेत्र की टीम ने पंजाबपुरा और जगतपुर में मकानों में बिजली चोरी पकड़ी। वहीं सीबीगंज में एक मकान पर अनियमितता मिली। विजिलेंस के प्रवर्तन दल द्वितीय ने नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम चमन नगरिया में 7 घरों में बिजली चोरी पकड़ी। मामले में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

अफसर बेईमानी नहीं करते तो भाजपा लोकसभा चुनाव नहीं जीतती

बरेली पहुंचे सपा मुखिया अखिलेश यादव बोले, भाजपा देशभक्ति की बातें सिर्फ जनता को गुमराह करने के लिए करती है, चुनाव आयोग पर भी साधा निशाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में सत्ता के इशारे पर अधिकारियों ने बेईमानी नहीं की होती तो समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन 50 से ज्यादा सीटें जीतती। कहा कि भाजपा ने जनता से केवल झूठे वादे किए। भाजपा सिर्फ देशभक्ति की बातें करती है, हकीकत यह है कि उसने चीन को जमीन और बाजार दोनों दे दिए हैं। यही कारण है कि भाजपा इन सवालों का जवाब देने से बचती है।

पूर्वाह्न करीब 11.45 बजे बरेली पहुंचे अखिलेश यादव का यह दौरा पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात और निजी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए था। वे एयरपोर्ट से सीधे पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य के निवास गए, जहां उन्होंने उनके भाई डा. अमन मौर्य और पत्नी को दांपत्य सूत्र बंधन में बंधने पर आशीर्वाद दिया। इसके बाद उनका काफिला नैनीताल रोड स्थित होटल ग्रैंड निर्वाणा पहुंचा, जहां उन्होंने विधायक अताउर रहमान की पुत्री के विवाह समारोह में शिरकत की। यहां पर पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग सिर्फ राजनीतिक पार्टियों को परेशान कर रहा है। रामपुर और कुंदरकी उपचुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लाखों लोगों को वोट नहीं डालने दिया गया और चुनाव में भी गड़बड़ी की गई।

सपा मुखिया ने प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि इंटेलिजेंस फेलियर क्यों है? कभी इनका एडमिनिस्ट्रेटिव फेलियर होता है तो कभी इंटेलीजेंस. बरेली में बीते दिनों जो कुछ हुआ, वह एडमिनिस्ट्रेटिव फेलियर था। आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपका बूथ न छूट पाए, हमारे लोग सीसीटीवी और पीपीटी बनाकर नजर रखें। बिहार की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए दावा किया कि तेजस्वी सीएम बनने जा रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते पूर्व सीएम अखिलेश यादव, साथ में जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप, बहेड़ी विधायक अताउर्रहमान, शहर अध्यक्ष शमीम सुल्तानी, आंवला सांसद नीरज मौर्य व अन्य। ● अमृत विचार

जब कुर्सी हिलती है तो योगी जी कम्युनल हो जाते हैं

स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य किए जाने के सवाल पर कहा कि योगी जी की जब कुर्सी हिलती है तो वह कम्युनल हो जाते हैं। पटना में एयरपोर्ट पर जाते समय उन्होंने मुझसे कहा था कि वह बहुत जल्दी सीएम बनने जा रहे हैं। जब उन्हें लगता है, उनकी कुर्सी बदल दी जाएगी तो उनकी भाषा बदल जाती है। उन्हें इतिहास से कोई लेना देना नहीं है, बस उन्हें डिवीजन करना है, जबकि सपा विजन के साथ जा रही है। दिल्ली ब्लास्ट पर अखिलेश यादव ने कहा कि जो हमारा आजादी का प्रतीक है, वहां पर ब्लास्ट हो जाता है। वहां कितने प्रधानमंत्री ने झंडा फहराया है। वहां ऐसी घटना होगी। शहर में 26 सितंबर हुए बवाल पर कहा कि बरेली में जो कुछ हुआ, वो प्रशासन की नाकामी है।

विशेष सत्यापन अभियान से डरने की जरूरत नहीं

सपा मुखिया ने मतदाता सूची के विशेष सत्यापन अभियान (एसआईआर) को लेकर कहा कि जनता डरने की बजाय सतर्क रहे, जो जानकारी देनी है, सोच-समझकर दें, ताकि किसी का वोट न छूटे। रामपुर और मुरादाबाद उपचुनाव का उदाहरण देते हुए बोले कि पुलिस ने वहां लोगों को वोट डालने तक नहीं दिया, तस्वीरें और वीडियो हमारे पास हैं, कोई उन्हें फेक नहीं कह सकता।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, प्रेमनगर के राजेश कुमार सिंह, पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव और आलम जाफराबाद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख आदेश यादव के घर भी पहुंचे। इसके बाद डोहरा रोड स्थित एक लॉन में पूर्व विधायक सुल्तान बेग की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल हुए। यहां विवाह समारोह के बाद अखिलेश यादव शायर वसीम बरेलवी से उनके किला स्थित आवास पर मिले। शाम करीब पांच बजे वह बरेली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

बीजेपी के लोग खुद को भगवान से ऊपर मानते हैं: अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग खुद को भगवान से ऊपर मानते हैं। उन्होंने इकाना स्टेडियम का नाम बदल दिया, जबकि वह भगवान के नाम से जाना जाता था। रामपुर की घटना का जिक्र कर कहा कि वहां लाखों लोगों को वोट डालने से रोका, पुलिस को तैनात किया गया ताकि लोग घरों से बाहर न निकलें। महंगाई के मुद्दे पर कहा कि कभी मुख्यमंत्री ने एक बिजली का कारखाना लगाया? किया क्या, बिजली महंगी कर दी। भाजपा नेताओं को भूमाफिया बताते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी वाले सोना और जमीन खरीद रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी न्यू इंडिया विजन को लेकर आगे चल रही है। भविष्य के बरेली के लिए अपना मैनिफेस्टो बनाएगी।

आंवला सांसद लखनऊ से अखिलेश के साथ आए : आंवला लोकसभा के सांसद नीरज मौर्य को अखिलेश यादव चार्टर्ड से लखनऊ से बरेली लेकर आए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के साथ सभी कार्यक्रमों में अखिलेश यादव के साथ शिरकत की।

धक्का मुक्की के बाद कार्यकर्ताओं को बाहर निकाला: शादी समारोह में आए अखिलेश यादव से मिलने के लिए पार्टी के तमाम कार्यकर्ता भी होटल ग्रैंड निर्वाणा पहुंच गए। सुरक्षाकर्मियों ने धक्का देकर होटल से बाहर निकाल दिया। अगम मौर्य के यहां भी धक्का मुक्की हुई।

कार्यकर्ताओं के फोन और पर्स चोरी : पूर्व सांसद वीरपाल के निवास पर कई कार्यकर्ताओं के फोन और पर्स चोरी हो गए। समाजवादी पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि पर्स में आधार, पैन कार्ड पांच हजार रुपये और एटीएम था। कई अन्य कार्यकर्ताओं के फोन चोरी होने के बाद खलबली मच गई। पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य के घर पर भी दो सपा कार्यकर्ताओं के फोन गायब होने की बात कही जा रही है।

यह रहे मौजूद : जिला अध्यक्ष शिव चरण कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, सांसद रामपुर, मोहिबुल्लाह, सांसद कौशांबी सचिन यादव, विधायक जसराना, प्रदेश सचिव मलखान सिंह, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव, डॉ देवेंद्र सिंह यादव, अशोक यादव, सुरेंद्र सोनकर, वफाउर्रहमान, ब्लाक प्रमुख आदेश यादव गुड्डू, पार्षद अब्दुल कयूम मुन्ना, डा. अमित सक्सेना, डा. देवेंद्र सिंह यादव, मनोहर पटेल, कुलदीप पटेल, गजेंद्र कुर्मी आदि मौजूद रहे।

वसीम बरेलवी ने दुनिया में रोशन किया बरेली का नाम

बरेली, अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार की शाम किला के मोहल्ला गढ़ैया स्थित आवास पर मशहूर शायर प्रो. वसीम बरेलवी से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। अखिलेश ने वसीम बरेलवी की तारीफ करते हुए कहा कि इनसे मिलकर अच्छा लगा। वसीम बरेलवी के आवास पर सपा नेताओं के अलावा समर्थकों की भीड़ लगी रही, लेकिन सूची में नाम होने वाले लोगों को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई।

सपा मुखिया अखिलेश यादव गुरुवार शाम 4:50 बजे शायर प्रो. वसीम बरेलवी के आवास पर पहुंचे। गली पतली होने की वजह से उनकी कार वसीम बरेलवी के घर तक नहीं पहुंच सकी, जिससे वह पैदल ही उनके घर तक पहुंचे। उनके साथ रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी भी मौजूद रहे। वसीम बरेलवी और आंवला सांसद नीरज मौर्य उन्हें रिसीव करने के लिए मुख्य सड़क तक पहुंचे। प्रो. वसीम बरेलवी के आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री करीब 45 मिनट तक रुके। इसके बाद जब वह बाहर आए तो मीडिया से बात करते हुए कहा कि वसीम बरेलवी साहब ने बरेली की पहचान देश ही नहीं बल्कि पुरी दुनिया में कराई है। उन्होंने कहा कि उनके एक लाइन के शेर में इतना बड़ा संदेश है कि अगर हम अपना लें तो हमारा समाज एक दूसरे के साथ और मजबूत हो जाएगा। बातचीत के दौरान साहित्य, समाज और मौजूदा हालातों पर चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने वसीम बरेलवी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने आगे कहा कि बरेली के बवाल के बाद वह शहर आना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें आने नहीं दिया। वह जल्द ही शहर के लोगों से मिलेंगे। आगे कहा कि सरकार नौकरी और रोजगार नहीं दे पा रही है। सरकार का नजरिया एक सा होना चाहिए, किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। बिहार चुनाव के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि तेजस्वी यादव सरकार बनाने जा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आवास पर पहुंचकर वसीम बरेलवी से मुलाकात की।

अखिलेश यादव के दौरे ने बढ़ाई सियासी हलचल

- **2027 के चुनाव के लिए सपा की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही यात्रा**
- **बरेली के लिए घोषणापत्र जारी करने पर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज**

कार्यालस संवाददाता, बरेली, अमृत विचार : बिहार में चुनाव खत्म होने के बाद यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव की गुरुवार को बरेली यात्रा ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। अखिलेश यादव ने बरेली में कई निजी कार्यक्रमों में शिरकत की और पुराने कार्यकर्ताओं के घरों पर पहुंच कर उनके साथ संबंध तरोताजा किए। अखिलेश ने शहर में पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इस दौरान सपा मुखिया ने बरेली समेत कुछ जिलों के लिए अलग से घोषणापत्र बनाने की घोषणा की, जिससे सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। अखिलेश यादव का यह बयान 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए सपा की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह बरेली और पश्चिमी यूपी में अपनी पार्टी की स्थिति मजबूत करने की कोशिश में हैं। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में बरेली के लोगों को आश्वासन दिया कि सपा उनकी समस्याओं को समझती है और उन्हें हल करने के लिए काम करेगी। कहा कि भाजपा केवल झूठे वादे करती है। किसान, नौजवान सब इस सरकार में परेशान हैं बेरोजगारी बढ़ी रही है। नौकरियां बची नहीं है, इसलिए के लिए अलग से घोषणापत्र बनाने का उद्देश्य यहां के लोगों की उम्मीदों को पूरा करना है। वहीं, पार्टी के पदाधिकारी अखिलेश यादव की इस यात्रा को सपा की आगामी चुनावी तैयारियों के संकेत के रूप में देख रहे हैं। सपा नेताओं का कहना है कि अखिलेश यादव की यह यात्रा पश्चिमी यूपी में पार्टी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। अलग से घोषणापत्र बनाने के वादे से लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं। अखिलेश यादव की इस यात्रा से सपा को न केवल पश्चिमी यूपी में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने में मदद मिल सकती है, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए यह एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है।

एक एजेंसी के पास दस ठेके अधर में लटका विकास

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग को तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा कराने के दिए आदेश**

अमृत विचार : शहर के अधिकांश इलाकों में नगर निगम की ओर से कराए जा रहे विकास कार्य लंबे समय से जारी हैं वहीं कुछ कई माह से अधर में लटके हुए हैं। इसका मुख्य कारण है कि नगर निगम की एजेंसी के पास मजदूरों के साथ ही अन्य संसाधन कम होने से निर्माण कार्यों में विलंब हो रहा है। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के साथ बैठक कर निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, एक-एक एजेंसी के पास 8 से 10 ठेके हैं, लेकिन मानव संसाधन की कमी के चलते कार्य तय समय में शुरू नहीं हो पा रहे। टेंडर लेने के बाद एजेंसियां लगातार काम शुरू करने में टालमटोल कर रही हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने निर्माण विभाग की बैठक में सख्त निर्देश दिए कि दिसंबर तक करीब 18 करोड़ रुपये के सभी विकास कार्य हर हाल में पूर्ण हों, अगर ऐसा नहीं किया गया तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी। इतनी ही नहीं एजेंसी का अनुबंध भी निरस्त किया जा सकता है।

सख्ती : खेतों में विकसित हो रहीं दो अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कराया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने गुरुवार को सीबीगंज क्षेत्र में खेतों में विकसित हो रहीं दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया।

बीडीए के सहायक अभियंता धर्मवीर सिंह ने बताया कि सीबीगंज के बंडिया में अमित अग्रवाल उर्फ राजा व कमल बेदी उर्फ सोनू पंजाबी की ओर से लगभग 100 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिह्नकांन, सड़क, नाली व बाउंड्रीवाल आदि का कार्य किया जा रहा था। जिसे बीडीए ने ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा ट्यूलिया में बाबू राम, संजीव, विरेन्द्र, रविन्द्र आदि की ओर से लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिन्हांकन, सड़क, नाली व बाउंड्रीवाल का कार्य कराया जा रहा था जिस ध्वस्त कर दिया गया। धर्मवीर सिंह ने बताया कि किसी भी भूखंड पर निर्माण या प्लाटिंग करने से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति लेना अनिवार्य है।

अवैध निर्माण को ध्वस्त कराती बीडीए की टीम। ● अमृत विचार

- **बीडीए की टीम ने सीबीगंज के बंडिया और ट्यूलिया में की कार्रवाई**

आला हजरत फीडर पर घंटों शटडाउन, गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **बंच केबल डालने का काम किया गया, लोगों को हुई परेशानी**

अमृत विचार : कुतुबखाना सबस्टेशन के आला हजरत फीडर पर गुरुवार को 6 घंटे शटडाउन होने से बिजली आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा शहर के अन्य इलाकों में लोकल फाल्ट और ट्रिपिंग से उपभोक्ता परेशान होते रहे। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को लेकर अधिशासी अभियंता और एसडीओ की टीम अलर्ट रहीं।

आला हजरत फीडर से जुड़े इलाकों में गुरुवार को आरडीएसएस कंपनी की ओर से बंच केबल डालने का काम कराया गया। क्षेत्र में सुबह 11 से शाम 5 बजे तक बिजली गुल रही। वहीं, मिशन सबस्टेशन के चौपुला बगिया में लोकल फाल्ट से आपूर्ति बाधित रही। सिविल लाइंस प्रथम क्षेत्र में पोल से तार टूटने से बिजली गुल रही। डेलापीर सबस्टेशन के रामायण विहार आशापुरम समेत अन्य इलाकों में फेस नहीं आने की समस्या रही। शाहदाना, सदर कैंट, महानगर और जगतपुर सबस्टेशन से जुड़े इलाकों में ट्रिपिंग की समस्या रही।

हरूनगला में आज 4 घंटे रहेगा शटडाउन

हरूनगला सबस्टेशन के 11 केवी सुपरसिटी फीडर पर शुक्रवार को काम कराया जाएगा। जिसके चलते स्पर्श ग्रीन, मां वैष्णो कुंज, शिवाजी नगर, अमूलटस कॉलोनी समेत कई जगहों पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अवर अभियंता पंकज शर्मा ने बताया कि काम पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

बच्ची के दिल का छेद भरा खिल उठे परिजनों के चेहरे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित आरबीएसके कार्यक्रम के तहत हुई निशुल्क सर्जरी**
- **बहेड़ी निवासी दो वर्षीय बच्ची के दिल में था छेद, विभाग ने हायर सेंटर भेज कराई सर्जरी**

अमृत विचार : दो वर्षीय बच्ची को जन्मजात दिल में छेद की समस्या थी, इसकी वजह से बच्ची के परिजन परेशान थे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आरबीएसके कार्यक्रम के तहत हायर सेंटर भेजकर बच्ची के दिल की निशुल्क सर्जरी कराई गई। अब बच्ची डिस्चार्ज होकर घर आ गई है। उसके परिजनों के चेहरे पर राहत भरी खुशी है।

स्वास्थ्य विभाग के डीईआईसी मैनेजर डॉ पारस गुप्ता ने बताया कि दो वर्षीय बच्ची तमन्ना की स्क्रीनिंग बहेड़ी के आरबीएसके टीम बी ने की थी। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ पवन कपाही के माध्यम से बच्ची को परिजनों के साथ सर्जरी के लिए उच्च संस्थान भेजा गया। जहां बीते 11 नवंबर को उसकी सफल सर्जरी हुई। डॉ. पारस गुप्ता ने बताया कि इस जटिल सर्जरी को निजी अस्पताल में कराने पर एक से दो लाख रुपये खर्च होते हैं, जबकि आरबीएसके के तहत मरीज की निशुल्क सर्जरी कराई जाती है।

सर्जरी के बाद मां की गोद में बच्ची।

चिकित्सकीय सेवाओं और नगर निगम की कार्य प्रणालियों को करीब से जाना

मसूरी से आई ट्रेनी आईएएस की टीम, साथ में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **मसूरी से आई ट्रेनी आईएएस की टीम ने जिला महिला-पुरुष व नगर निगम का लिया जायजा**
- **मरीजों का इलाज, आईसीसीसी का कार्य, स्वच्छता व टैक्स वसूली की जानकारी ली**

अमृत विचार : मसूरी से आई ट्रेनी आईएएस की टीम ने गुरुवार को जिला महिला-पुरुष अस्पताल और नगर निगम का भ्रमण किया। दोनों ही विभागों में किस प्रकार योजनाओं का लाभ आम जन को मिल रहा है, इसको बारीकी से परखा। अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं और नगर निगम की कार्य प्रणाली को समझा।

आईएएस की टीम सबसे पहले दोपहर करीब 12 बजे जिला अस्पताल पहुंची। यहां ओपीडी, इमरजेंसी, बच्चा वार्ड, बर्न वार्ड समेत अन्य विभागों को जायजा लिया। अस्पताल प्रबंधक पूजा चौहान ने मरीजों को दी जाने वाली योजनाओं का लाभ, मरीजों का इलाज, दवाओं का वितरण और रखरखाव समेत अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। टीम दोपहर करीब दो बजे नगर निगम पहुंची।

एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर (आईसीसीसी) का टीम को भ्रमण कराया। उन्होंने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि नगर निगम स्वच्छत भारत मिशन में हाल ही में जारी रैंकिंग में 20 पायदान पर है। इससे पहले यह रैंक 80 थी। वहीं स्वच्छ वायु कार्यक्रम में नगर निगम सातवें स्थान पर है। उन्होंने आईसीसीसी की कार्य प्रणाली से रूबरू कराया। बताया कि इस सेंटर से शहर में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, मैकेनाइज्ड स्वाइपिंग वाहनों समेत यातायात संचालन संबंधी निगरानी की जाती है।टैक्स वसूली की जानकारी भी दी गई।

सब स्टेशन पर जाम छलकाने वालों को बचाने की कोशिश

बरेली, अमृत विचार : किला सबस्टेशन पर जाम छलकाने वाले कर्मचारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। अफसरों से एक दिन में जांच कर रिपोर्ट मांगी गई थी, मगर एक सप्ताह के बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है।

पिछले दिनों किला सबस्टेशन पर कुछ कर्मचारियों का शराब पीते हुए वीडियो वायरल हुआ था। मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने शहरी क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता से रिपोर्ट मांगी थी। इसपर शहरी क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता ब्रह्मपाल ने दो अधिशासी अभियंता की जांच कमेटी बनाकर उसी दिन रिपोर्ट मांगी थी। उसके बाद पारिवारिक दिक्कत की वजह से अधीक्षण अभियंता अवकाश पर घर चले गए। जिसके बाद जांच कमेटी ने दोषी कर्मचारियों को बचाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूत्रों के मुताबिक जाम छलकाने वाले कर्मचारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। आरोपी कर्मी खुद को बचाने के लिए नेताओं से सिफारिश करा रहे हैं।

हाईटेंशन लाइन नहीं हटाने पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

कलेक्ट्रेट सभागार में अफसरों के साथ बैठक करते डीएम अविनाश सिंह।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **डीएम ने लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने का दिया निर्देश**

अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने विभिन्न स्थानों पर फ्यूल स्टेशन और रिटेल आउटलेट केंद्र स्थापित करने के लिए एनओसी जारी किये जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार शाम समीक्षा बैठक की। जिसमें पाया कि तीरतपुर (नवदिया) में हाईटेंशन लाइन हटवाने के लिए आवेदक ने तीन माह पूर्व आवेदन किया था, जो अब तक कार्य पूरा नहीं हुआ। इसपर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्युत विभाग को शीघ्र कार्रवाई कर सुधार करने के निर्देश दिए।

डीएम ने निर्देशित किया कि जिन विभागों ने अभी तक एनओसी प्रस्तुत नहीं की है, वे तत्काल जमा कराएं। अपर जिलाधिकारी (नगर) को निर्देश दिए कि इस विषय पर सप्ताह में एक बार बैठक जरूर करें ताकि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जा सके। साथ ही जो अधिकारी बैठक में अनुपस्थित रहे, उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह, एडीएम सिटी सौरभ आदि मौजूद रहे।

शहर में आज

- जीआईसी परिसर में राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबाल प्रतियोगिता के मैच सुबह 9 बजे से ।
- बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट की ओर से कृष्णा नगर कालोनी में नव कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ, श्रीमद् भागवत महापुराण शाम 4 से 7 बजे तक।
- कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जिलाधिकारी के साथ हक की बात कार्यक्रम का आयोजन पूर्वाह्न 11 :30 बजे से।
- हार्टमन कॉलेज में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन दोपहर 3 :00 बजे से।
- मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में बाल दिवस पर विशेष बच्चों की प्रतियोगिताएं स्टेडियम रोड पर वात्सल्य सेवा संस्थान में पूर्वाह्न 11 बजे से।

रुविवि में दीक्षांत समारोह के बाद दो दिन का अवकाश किया घोषित

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के गुरुवार को दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के बाद शुक्रवार का अवकाश घोषित किया गया है। इसके अलावा 6 नवंबर के अवकाश की पूर्ति के लिए 15 नवंबर को अवकाश किया गया है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने मेधावियों को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि डॉ. केशव अग्रवाल ने मेधावियों के लिए सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने का मार्ग बताया, बाल दिवस की पूर्व संध्या पर समारोह आयोजित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सम्मानित हुए मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, शशि भूषण अग्रवाल, प्रकाश चंद्र अग्रवाल, डॉ. प्रवीन अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, डॉ. सौरभ अग्रवाल आदि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाल दिवस की पूर्व संध्या पर महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में गुरुवार को आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में 80 मेधावियों और टैलेंट हंट परीक्षा में सर्वोच्च 20 स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल ने कार्यक्रम को मेधावी विद्यार्थियों के लिए सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने का मार्ग बताते हुए अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल, महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र अग्रवाल, कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई देते हुए सफलता के मूलमंत्र बताए। नवीन सत्र के लिए नवगठित पीजी फोरम के छात्र-छात्राओं की सेरेमनी का भी आयोजन हुआ।

अनुष्का सक्सेना को हीरक पदक के अतिरिक्त, फिदा हुसैन, अंकित कश्यप, श्रेयसी रस्तोगी, पीयूष और प्रियांशी अग्रवाल को उनके विभागों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर छात्रवृत्ति प्रदान की गई। प्रतियोगिता में अनुष्का शर्मा ने प्रथम, हीरा खान ने द्वितीय, खुशनुमा ने तृतीय और हम खान ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। सत्र 2025-26 के लिए नवगठित पीजी फोरम के नवनिर्वाचित छात्र सदस्यों को शपथ दिलाई गई। उज्जवल तिवारी को अध्यक्ष, उमंग तिवारी को उपाध्यक्ष, अभिषेक आनंद, उमेश गौतम, शिवांश मल्होत्रा, मो. अहमद, ध्रुव खंडेलवाल सहित 27 सदस्यों को काउंसिल मेंबर के रूप में शपथ ग्रहण कराई।

अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर प्रबंध समिति के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र अग्रवाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति के चेयरमेन सुशील मित्तल, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, मुरारी लाल अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, वीरेंद्र स्वरूप अग्रवाल, केपी गोयल, डॉ. नुपूर गोयल, सुबोध कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार गोयल, दिनेश कुमार अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, सुधांशु अग्रवाल, अमित अग्रवाल, आशीष अग्रवाल व प्रबंध समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संचालन जंतु विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. सोनल अग्रवाल ने किया।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में हुए कार्यक्रम में मशाल के साथ छात्र-छात्राएं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल को बैज लगाती छात्रा। ● अमृत विचार

वंदे मातरम् स्वाधीनता संग्राम की आत्मा

बरेली, अमृत विचार : आजादी के अमृत काल महोत्सव 150 के तहत बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में गुरुवार को वंदे मातरम् इतिहास एवं भावार्थ विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसका आरंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता अनुराग भारती ने व्याख्यान देते हुए वंदे मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रचना-परिस्थिति व बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। बताया कि यह गीत केवल एक साहित्यिक रचना नहीं, बल्कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम की आत्मा है, जिसने राष्ट्र के हर हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे। प्रवक्ता अनुराग भारती ने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक, तर्कसंगत एवं प्रेरणादायी रूप में दिए। कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने सभी सहभागी छात्र-छात्राओं एवं व्याख्याता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्र भक्ति व सांस्कृतिक चेतना को पुष्ट करते हैं। प्रधानाचार्य डॉ. पुष्पेन्द्र कन्नौजिया ने कहा कि वंदे मातरम्' केवल गीत नहीं, यह आत्मिक अनुभूति है, जिसे प्रत्येक भारतीय को अपने हृदय में अंकित करना चाहिए। अकादमिक प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की सफलता पर समस्त संकाय एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

बीआईयू में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते शिक्षक। ● अमृत विचार

- **बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में वंदे मातरम् पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तर कार्यक्रम संपन्न**

धोपेश्वर नाथ मंदिर में लाइब्रेरी भवन का शुरू हुआ निर्माण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **मान्यता- अत्रि ऋषि के शिष्य धूम्र ऋषि की समाधि पर स्थापित है शिवलिंग**
- **लाइब्रेरी में सनातन, वैदिक साहित्य के साथ उपलब्ध होगा आधुनिक साहित्य**

अमृत विचार : नाथ नगरी से मशहूर बरेली के सात नाथ में एक धोपेश्वरनाथ में पर्यटन विभाग की ओर से कई कार्य करवाए जाएंगे। मंदिर में लाइब्रेरी की बिल्डिंग तैयार की जा रही है। इसी के साथ मंदिर परिसर में प्रवेश द्वार, पार्किंग, विश्राम स्थल, प्रसाद और फ्लोरिस्ट की दुकानों का निर्माण किया जाएगा।

नगर की पूर्व दक्षिण अग्निकोण में धोपेश्वरनाथ मंदिर स्थित है। इस मंदिर को महाराजा द्रुपद के गुरु और अत्रि ऋषि के शिष्य धूम्र ऋषि ने कठोर तप कर सिद्ध किया। उनकी समाधि पर ही शिवलिंग की स्थापना हुई थी। उन्हीं के नाम पर इस देवालय का नाम धूमेश्वरनाथ पड़ा जो बाद में धोपेश्वरनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। नाथ कॉरिडोर के तहत शहर के सात प्रमुख नाथ मंदिरों को एक दूसरे के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी के साथ पर्यटन विभाग की ओर से मंदिर को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने को लेकर आधुनिक सुविधाओं से लैस और श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मंदिर परिसर में बुनियादी सुविधाओं के लिए प्रवेश मार्ग, पार्किंग, आधुनिक शौचालय और विश्रामस्थल जैसी मूलभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर प्रसाद वितरण केंद्र और उत्कृष्ट स्वच्छता व्यवस्था की जाएगी। मंदिर परिसर में सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी और प्रकाश की अच्छी व्यवस्था की जाएगी। धोपेश्वर नाथ में लाइब्रेरी की बिल्डिंग तैयार की जा रही है। इसी के साथ मंदिर के आसपास के क्षेत्रों को भी विकसित किया जाएगा, जिससे यह धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बने। पर्यटन विभाग की ओर से इन कार्यों को 2027 तक पूरा किया जाएगा।

मंदिर का द्वार। ● अमृत विचार

धोपेश्वर नाथ मंदिर के कुंड में स्नान करने से मिलती है चर्म रोग से मुक्ति

मंदिर में बना सरोवर श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केंद्र है। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से एलर्जी की बीमारी खत्म हो जाती है। पुजारी घनश्याम जोशी ने बताया कि अवध के नवाब शुजाउद्दौला की बेगम के संतान न होने पर उन्होंने यहां मन्नत मांगी थी। उनकी मनोकामना पूरी होने के बाद नवाब ने ही सरोवर के किनारे बनी कच्ची सीढ़ियों को पक्का कराया था।

डायबिटीज पर नियंत्रण से दूर रहेंगी गंभीर बीमारियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **जिला अस्पताल के एनसीडी क्लीनिक पर बढ़ रही मधुमेह रोगियों की संख्या**
- **विशेषज्ञ बोले, तनाव न लें, असंतुलित जीवनशैली व खानपान की आदतों को सुधारें**

अमृत विचार : डायबिटीज यानी मधुमेह के मरीज आज हर घर में हैं। असंतुलित जीवनशैली और बिगड़ती खानपान की आदतों की वजह से युवा और बच्चे भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। किडनी, आंखों के साथ ही दिल पर भी इसका असर होता है, जो हार्ट अटैक की आशंका बढ़ाता है। इससे ब्रेन स्ट्रोक की भी आशंका बढ़ जाती है, मगर मधुमेह को नियंत्रित रखने से इन गंभीर बीमारियों से बचाव काफी हद तक संभव है।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग प्रमुख प्रो. स्मिता गुप्ता कहती हैं कि अगर आप हर समय थकान महसूस करते हैं। आपको बार-बार पेशाब करने जाना पड़ता है। प्यास ज्यादा लगती है। सिरदर्द बना रहता है। आंखों की रोशनी कम हो रही है। चिड़चिड़ापन रहता है या मौसम बदलने पर आप ज्यादातर बीमार हो जाते हैं तो इन लक्षणों की अनदेखी न करें। यह शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने की वजह हो सकते हैं। जिसे आम भाषा में डायबिटीज कहते हैं। ब्लड शुगर बढ़ने पर किडनी रक्त से अतिरिक्त शुगर फिल्टर नहीं कर पाती, इससे बार-बार पेशाब जाना पड़ता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है और प्यास ज्यादा लगती है। ज्यादा शुगर आंखों में जमने लगती है, जिससे दृष्टि धुंधली हो जाती है और सिरदर्द की समस्या भी जन्म लेती है।

सैकड़ों मरीज रोजाना ले रहे इंसुलिन : जिला अस्पताल स्थित एनसीडी क्लीनिक पर रोजाना 100 से 120 मधुमेह रोगी पहुंच रहे हैं। क्लीनिक प्रभारी डॉ. मयंक ने बताया कि केंद्र पर विशेषकर मधुमेह, हाइपरटेंशन और कैंसर को लेकर स्क्रीनिंग और परामर्श दिया जाता है। अधिकांश मरीज इंसुलिन लगवाने के लिए आ रहे हैं। बीते साल ये संख्या 60 से 80 के करीब थी। हर वर्ग इसकी चपेट है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

ऐसे करें डायबिटीज से बचाव

मीठे खाद्य पदार्थों से परहेज करें या कम सेवन करें, आलू, चावल जैसे कार्बोहाइड्रेट वाले भोजन करने से बचें, फाइबर और प्रोटीन की मात्रा भोजन में ज्यादा रखें, नियमित रूप से शुगर और आंखों की जांच कराएं, वजन को नियंत्रित रखने के लिए नियमित योग और एक्सरसाइज करें, विटामिन डी की कमी डायबिटीज का खतरा बढ़ाती है, इसकी कमी न होने दें आदि।

बोर्ड ने मांगा पांच वर्षों का स्वकेंद्र प्रणाली का डाटा

बरेली, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से प्रस्तावित हैं, जिसके लिए जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। बोर्ड ने विगत पांच वर्षों में स्वकेंद्र रहे कॉलेजों का ब्योरा मांगा है, जिसमें देखा जाएगा कि किसी केंद्र पर कोई विवाद तो नहीं रहा है।

छात्राओं को बोर्ड से स्वकेंद्र प्रणाली का लाभ मिलेगा, जबकि प्राइवेट फार्म भरने वाली छात्राओं के सेंटर दूसरे केंद्रों में जाएंगे। जिले में करीब 30-40 कॉलेज स्वकेंद्र प्रणाली में रहते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि केंद्र निर्धारण के दौरान स्वकेंद्र प्रणाली में अलग से छात्राओं के लिए केंद्र बनेंगे। बोर्ड ने इसका डाटा मांगा है जिसे जल्द भेज दिया जाएगा।

रंगोली में उकेरे देशभक्ति के रंग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें छात्रों ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को अपनी कलात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

छात्रों ने वंदे मातरम् , भारत माता, राष्ट्रीय ध्वज और स्वतंत्रता संग्राम जैसे विषयों पर आकर्षक रंगोलियां बनाईं, जिनसे पूरा परिसर देशभक्ति के रंगों में रंग गया। विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और कल्पनाशक्ति की झलक पूरे आयोजन में स्पष्ट दिखाई दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि कला भावनाओं की भाषा है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अंकित कुमार ने छात्रों को इसी प्रकार रचनात्मकता और देशभक्ति के समन्वय से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य स्वर्णिमा सिंह, मनीषा सक्सेना, श्रेया भारद्वाज, डॉ. अनमोल शर्मा का सहयोग रहा। कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों की प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि उनमें देशप्रेम, सृजनशीलता और एकता की भावना को भी सशक्त बनाती हैं।

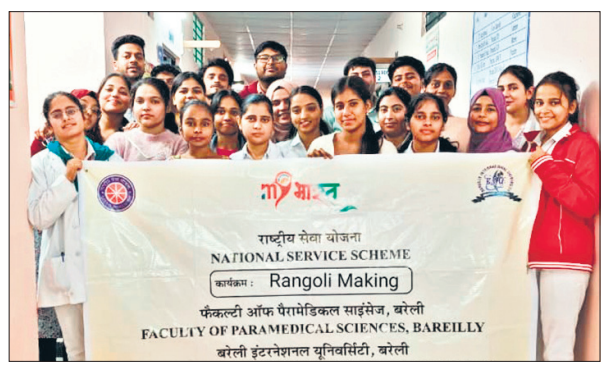

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

- **छात्रों ने देशभक्ति को कला के माध्यम से प्रस्तुत किया**

विदेशी छात्रों के साथ कुलाधिपति, मंत्री, कुलपति व अन्य। ● अमृत विचार

पदक मिलने के बाद खुशी जतातीं टॉपर्स।

अपने माता-पिता के साथ टॉपर बुशरा।

उपाधि मिलने के यादगार पल की सेल्फी लेतीं शोधार्थी। ● अमृत विचार

दीक्षांत समारोह

कोई जनसेवा तो कोई प्रशासनिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की सोच रहा, मेहनत और गुरुओं के आशीर्वाद को बताया सफलता का मंत्र

टॉपर्स ने लगन, अनुशासन और संघर्ष से मुकाम किया हासिल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में अटल सभागार तालियों से लगातार गूंजता रहा, जब मंच से एक-एक कर टॉपर्स को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में 70 छात्राओं और 24 छात्रों को पदक दिए गए। इन सभी ने अपनी लगन, अनुशासन और संघर्ष से यह मुकाम हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता के चेहरे पर सफलता की चमक और अपने माता पिता के सामने सम्मानित होने पर उत्साहित दिखें।

चिकित्सा शिक्षा में धैर्य और समर्पण जरूरी है। आगे चलकर मरीजों की सेवा ही मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होगी। मेडिकल अध्ययन में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव अहम भूमिका निभाता है। महामारी काल में चिकित्सा कर्मियों का समर्पण उनकी प्रेरणा है। वह भविष्य में जनसेवा के क्षेत्र में योगदान देना चाहते हैं। - स्पर्श सूरी, एमबीबीएस

यह पल मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण है। यह उपलब्धि मेरे माता-पिता और शिक्षकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है। बीबीए में प्रबंधन के सिद्धांतों और नेतृत्व कौशल को समझना उनके लिए बेहद रोचक रहा। नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और केस स्टडी पर विशेष ध्यान दिया। **- वंशिका मनचंदा**, बीबीए

मैंने अपनी पढ़ाई को रोजमर्रा के अनुशासन से जोड़ा। निरंतरता ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। वित्तीय विषयों में गणितीय विश्लेषण और अकाउंटिंग प्रैक्टिस को समझना चुनौतीपूर्ण लेकिन रोचक था। पदक पाकर बहुत खुश हूं। **- शुभांगी गुप्ता**, बीकॉम फाइनेंस

मैंने अपने नोट्स खुद तैयार किए और हर विषय को गहराई से समझने की कोशिश की। प्रयोगशाला कार्य को अध्ययन का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि व्यावहारिक ज्ञान ही विज्ञान की आत्मा है। हर विषय को शिक्षक से चर्चा कर उसकी गहराई को समझा। आगे इसी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता हूं। **- विशेक**, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी

मैंने प्रयोगशाला कार्य और सिद्धांत दोनों पर बराबर ध्यान दिया। रासायनिक समीकरणों को समझना और उनके प्रयोगात्मक उपयोग को देखना उनके लिए अत्यंत रोचक रहा। धैर्य और नियमित अध्ययन से किसी भी विषय में निपुणता हासिल की जा सकती है। वे भविष्य में अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर नई खोजों में योगदान देना चाहते हैं। **- ध्रुव देव**, एमएससी केमिस्ट्री

इस विषय से मुझे देश और सुरक्षा नीति को गहराई समझने को मिली। कड़ी मेहनत और शिक्षकों का मार्गदर्शन से मुकाम हासिल हुआ। आगे देश हित के लिए डिफेंस के क्षेत्र में योगदान चाहती हूं। **- मुस्कान यादव**, एमए, डिफेंस एंड स्ट्रेटजिक स्टडी

शारीरिक शिक्षा से मुझे अनुशासन और फिटनेस का महत्व सिखाया। यही संतुलन सफलता की पहचान है। खेल न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक शक्ति का भी विकास करते हैं। **- नरेंद्र कन्याल**, बीपीएड

हिंदी में निरंतर अध्ययन और लेखन ने मुझे यह मुकाम दिलाया। आधुनिक कवियों और लेखकों की रचनाओं से प्रेरणा ली। भाषा समाज की आत्मा है और इसका संरक्षण जरूरी है। मैं लेखन के माध्यम से हिंदी साहित्य में आगे बढ़ना चाहती हूं। **- प्रतीक्षा सिंह**, एमए आधुनिक हिंदी

मेडल पाकर बहुत खुशी हो रही है। मुझे आंकड़ों और तथ्यों पर ध्यान कर पढ़ाई में सफलता मिली। आर्थिक नीतियों और वैश्विक बाजार के अध्ययन से व्यावहारिक समझ मिली। हर अध्याय को वर्तमान अर्थव्यवस्था के उदाहरणों से जोड़ते हुए सीखा। आगे आर्थिक क्षेत्र में कार्य करना है। **-प्रियांशी गंगवार**, एमए इकोनॉमिक्स

मैंने समय के संयोजन से अपने विषय को मजबूत किया। अध्ययन को जीवन से जोड़कर आसान बनाया। अर्थव्यवस्था के हर पहलू को समझने की कोशिश की। भारतीय नीतियों की तुलना अंतर्राष्ट्रीय नीतियों के अध्ययन ने बहुत समझ को विस्तार दिया। युवा पीढ़ी को वित्तीय साक्षरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। **-आदित्य शर्मा**, एमए इकोनॉमिक्स

राजनीति विज्ञान से मुझे समाज और शासन की समझ मिली। मैंने हर विषय को समसामयिक घटनाओं से जोड़कर पढ़ा। संविधान, नीति निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर अध्ययन से राजनीति में समझ बढ़ी। जनहित और लोकतंत्र की नींव समझना युवाओं के लिए जरूरी है। वे आगे शिक्षण या प्रशासनिक क्षेत्र में योगदान देना चाहते हैं। **-अश्वनी चौधरी**, एमए राजनीति विज्ञान

प्रकृति और पौधों की दुनिया को समझना हमेशा मेरा जुनून रहा। प्रयोग और शोध से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता का अध्ययन उनके विषय की मुख्य प्रेरणा है। सतत विकास तभी संभव है जब हम प्रकृति को समझें और बचाएं। पदक पाकर बहुत खुश हूं। **- अक्षत वर्मा**, एमएससी बॉटनी